देख लिया दुनिया का सारा नज़ारा .....

देखा लिया दुनिया का सारा नज़ारा,
न हम किसी के, ना कोई हमारा ।।

झूठी है दुनिया और झूठी हैं बातें,
झूठी है प्रीति और झूठे हैं नाते ।

झूठा है प्यारे यह जग का पसारा,
ना हम किसी के, ना कोई हमारा ।।

दो दिन के नातों को नाता क्या कहें,
दो दिन के साथी को साथी क्या कहें ।।

आख़िर को जाना है दुनिया से न्यारा,
ना हम किसी के, ना कोई हमारा ।।

मतलब से ये दुनिया प्रीत लगाती,
मतलब से ये दुनिया सिर को झुकाती ।।

मतलब से झुकता है संसार सारा,
ना हम किसी के, ना कोई हमारा ।।

क्या करना है बनकर के राजा और रानी,
क्या करना है बनकर के सेठ और सेठानी ।।

बन के 'कबीर' करेंगे गुज़ारा,
ना हम किसी के, ना कोई हमारा ।।

देखा लिया दुनिया का सारा नज़ारा,
न हम किसी के, ना कोई हमारा ।।

साईं इतना दीजिये, जा में कुटुम्ब समाय ।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधु ना भूखा जाय ।।